

भारत का राजपत्र

The Gazette of India



प्रशासनिक

EXTRAORDINARY

भाग [—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 34] नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 14, 1975/माघ 25, 1896

No. 34] NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 14, 1975/MAGHA 25, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह व्यापक संकलन के काम में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF COMMERCE**PUBLIC NOTICE****IMPORT TRADE CONTROL***New Delhi, the 14th February 1975***SUBJECT.—Utilisation of Release Orders.**

No 13-ITC(PN)/75.—Attention is invited to Para 97 of the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure for the year 1974-75, regarding the procedure for allotment of imported goods canalised through public sector agencies.

2. It has been decided that in future all the release order holders will have to get the release orders registered with the canalising agencies within a period of sixty days from the date of issue of the release order in accordance with the condition prescribed by the canalising agency concerned in this regard. If a release order is not registered within the aforesaid prescribed period, it shall be deemed to have lapsed.

3. The following new condition shall be deemed to have been added in the form of release order as given in Appendix 34 of the Hand Book of Rules and Procedure, 1974-75 :—

"7 It is a condition of this release order that it shall be registered with the canalising agency concerned within 60 days from the date of its issue, in accordance with the conditions prescribed by the canalising agency concerned. Failure on the part of the release order holder to register the release order within the stipulated time will render the release order invalid for being serviced by the canalising agency."

4. It has also been decided that holders of all the existing registered with the canalising agencies concerned, within a period of sixty days from the date of issue of this Public Notice. All such release orders which are not registered with the canalising agencies within the specified period, will be deemed to have lapsed.

5. All release orders, including those registered with the canalising agencies concerned, within the period of sixty days as stipulated above, shall expire as soon as their validity period, which is normally 12 months, is over and the canalising agencies shall not service the release orders which have expired. However, requests for revalidation of release orders, upto a period of six months at a time, may be considered, on merits, in each case by the licensing authority concerned, in cases where the applicant produces a letter, in original, from the canalising agency concerned that the goods covered by the particular Release Order could not be supplied by them within the original or extended validity period, as the case may be, on account of circumstances beyond the control of the applicant.

6. The relevant provisions of the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure for 1974-75 and the Import Trade Control Red Book (Volume I) for the year 1974-75 may be deemed to have been amended accordingly.

B. D. KUMAR,
Chief Controller of Imports and Exports.

वार्षिक सूचना

सार्वजनिक सूचना

आयत व्यापार नियंत्रण

वर्षीय सूचना, 11 फरवरी, 1975

विषय.—रिहाई आदेशों का उपयोग।

सं. 13-आई-टी-०८० (वी० एम०).—सार्वजनिक क्षेत्र अभिकरणों के माध्यम से सरणीबद्ध किए गए आयातित माल के आवंटन के लिए प्रक्रिया में सम्बन्धित आयात व्यापार नियंत्रण हैडल्युक, क्रियाविधि, 1974-75 के अंग 97 की ओर आयत अनुसृष्ट किया जाता है।

2. यह नियंत्रण किया गया है कि भविष्य में सभी रिहाई आदेशधारियों को रिहाई आदेशों का पंजीकरण सरणीबद्ध करने वाले अभिकरणों के पास इस सम्बन्ध में सम्बद्ध सरणीबद्ध करने वाले अभिकरण द्वारा निर्धारित शर्तों के अनुसार रिहाई आदेश जारी होने की तारीख से 60 दिनों के भीतर कराना होगा। यदि उक्त निर्धारित अवधि के भीतर रिहाई आदेश का पंजीकरण नहीं कराया जाता है तो इसे समाप्त हुआ समझा जाएगा।

3. क्रियाविधि की हेडल्युक, 1974-75 के वरिष्ठित 34 में यथा प्रदान रिहाई आदेश के प्रभाव में प्रभावित शर्त जोड़ी वर्षीय समझी जाएगी—

“7. इस रिहाई आदेश की यह शर्त है कि इसे सरणीबद्ध करने वाले अभिकरण के पास इस सम्बन्ध में सम्बद्ध सरणीबद्ध करने वाले अभिकरण द्वारा निर्धारित शर्तों के अनुसार रिहाई आदेश जारी होने की तारीख से 60 दिनों के भीतर पंजीकृत कराया जाएगा। रिहाई आदेशधारी की ओर से रिहाई आदेश को निर्धारित अवधि के भीतर पंजीकृत कराने में चूक होने से सरणीबद्ध करने वाले अभिकरण से सेवा प्राप्त करने के लिए यह रिहाई आदेश अवैध हो जाएगा।”

4. यह शी नियंत्रण किया गया है कि वे सभी रिहाई आदेशधारी जिनके पास वर्तमान वैध रिहाई आदेश हैं, उन्हें आहिए कि वे अपने रिहाई आदेशों की दूसरी सार्वजनिक सूचना के जारी होने की तारीख से 60 फैंस के भीतर सम्बद्ध सरणीबद्ध करने वाले अभिकरणों के पास पंजीकृत करा लें।

ऐसे मर्यादित रिहाई आदेश जिनका पंजीकरण निर्धारित अवधि के भीतर सरणीबद्ध करने वाले अभिकरणों के पास नहीं होता है, वे समाप्त होते हैं, समझे जाएँगे।

5. वे मर्यादित रिहाई आदेश जिनमें सम्बद्ध सरणीबद्ध करने वाले अभिकरणों के पास यथा उपर्युक्त निर्धारित 60 दिनों की अवधि के भीतर पंजीकृत हैं वे भी गतिष्ठ हैं, जैसे ही वैधता अवधि औ सामान्यता: 12 माह की होती है, समाप्त हो जाती है, तो वे भी समाप्त हो जाएँगे और जो रिहाई आदेश समाप्त हो जाएँगे उन पर सरणीबद्ध करने वाले अभिकरण विचार नहीं करेंगे। लेकिन, उन समझों जिनमें आवेदक सम्बद्ध सरणीबद्ध करने वाले अभिकरण से मूल रूप में प्रकृत वल हस सम्बन्ध में प्रस्तुत करता है कि व्यापक रिहाई आदेश के अन्तर्गत आने वाले भाल का सम्बन्ध उनके हारा मूल या बड़ाई गई बैश्व अवधि के भीतर जैसा भी सामना हो, आवेदक के नियंत्रण से परे परिस्थितियों के कारण नहीं हो सका तो रिहाई आदेशों की एक बार में छह माह की पुनर्वैधकरणी की अवधि के लिए आवेदन पत्र पर विचार पावना के आधार पर सम्बद्ध सरणीबद्ध करने वाले अभिकरण द्वारा किया जा सकता है।

6. आयान व्यापार नियंत्रण हैडब्ल्यू, क्रियाविधि, 1974-75 और 1974-75 के लिए आयात व्यापार नियंत्रण नीति (रेडब्ल्यू वा. - 1) की संवर्धित व्यवस्थाएं तथनुसार संशोधित की गई समझी जाएँ।

मी. डॉ. कुमार,

महाय नियंत्रक, आयात-नियंत्रित।

